Corporation. The objective is to upgrade and professionalise the catering services through franchising, joint ventures and augment the infrastructure of rail related tourism for domestic and international tourists.

The proposal is being examined in consultation with the concerned Ministries/Departments. The time frame for creating the Corporation will be known only after the proposal is approved by the Government.

Regularisation of canteen employees

306. SHRI E. BALANANDAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a number of workers in departmental canteens in the Southern Railway, Madras Division have not yet been treated as regular employees inspite of orders issued by the Southern Railway Administration;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the steps taken to implement the said orders?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

Informal channel of communication to unrecognised unions/associations

307. SHRI NILOTPAL BASU: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the unrecognised unions/ associations/federations of Railway employees were granted informal channel of representation at various levels during the period 1978—80 by the then Railway Minister;

(b) if so, the reasons for discontinuing the above arrangement; and

(c) whether Government are considering restoration of informal channel of communication to the unrecognised unions/associations in view of representations received from them?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) In order to defuse the tendency on the part of the category-wise unrecognised associations/ unions to precipitate matters, the All India Loco Running Staff Association and the All India Railway Employees' Confederation were granted restricted negotiating facilities in 1978 with the hope that they would adopt a consultative approach for solving the grievances of the employees across the table.

(b) As they continued to resort to agitational and disruptive methods, the facility given was withdrawn in 1981.

(c) No proposal for restoration of informal channel of communication to the unrecognised unions/associations is under consideration of the Government at present. However, the issues raised by them in their representations are duly considered and appropriate action is taken on merits.

गुजरात में आमान परिवर्तन

308. श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुजरात में उन स्थानों के नाम क्या-क्या हैं जहां मीटर गेज रेलवे लाइनें हैं;

(ख) क्या सरकार इन मीटर गेज लाइनों को बड़ी रेल लाइनों में बदलने का विचार रखती है;

(ग) क्या इन मीटर गेज लाइनों के कारण निर्यात और आयात के प्रोत्साहन के अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है; और

(घ) यदि हां, तो वे कौन-कौन सी रेल लाइनें हैं जिनके संबंध में आमान परिवर्तन हेतु कार्रवाई की जा रही है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज):

गुजरात में आमान परिवर्तन

(क) गुजरात में निम्नलिखित मीटर आमान की लाइनें मौजूद हैं:—

1. राजकोट—बीरावल (185 कि० मी०)

2. वांसजालिया—जेतलसर—धोला (222 कि० मी०)
3. सिहोर—पालिताणा (27 कि० मी०)
4. ढासा—महुवा (126 कि० मी०)
5. डूंगर—विक्टर (12 कि० मी०)
6. राजूला—राजूला सिटी (9 कि० मी०)
7. खिजडिया—विसावदर—तलाला—वेरावल (164 कि० मी०)
8. जूनागढ़—विसावदर (43 कि० मी०)
9. तलाला—प्राची रोड—देलवाड़ा (71 कि० मी०)
10. तलाला—प्राची रोड—कोडिनार (46 कि० मी०)
11. भावनगर—धोला—बोताद—सुरेन्द्र नगर (169 कि० मी०)
12. अहमदाबाद—हिम्मतनगर—खेडब्रह्मा (143 कि० मी०)
13. कलोल—वीजापुर—आम्बलियासन (83 कि० मी०)
14. कलोल—चाणस्मा (90 कि० मी०)
15. मेहसाणा—विरमगाम (65 कि० मी०)
16. मेहसाणा—तारंगाहिल (57 कि० मी०)
17. मेहसाणा—पाटन (40 कि० मी०)
18. रानुज—चाणस्मा (13 कि० मी०)
19. सुरेन्द्रनगर—ध्रांगध्रा (35 कि० मी०)
20. वांकानेर—दहींसरा—नवलखी (73 कि० मी०)
21. वांकानेर—दहींसरा—मलिया—मियाणा (90 कि० मी०)
22. अहमदाबाद—हिम्मतनगर—उदयपुर (गुजरात में कुछ भाग) (296 कि० मी०)
23. गांधीधाम—भिलडी—पालनपुर (301 कि० मी०)
24. गांधीधाम—भुज—नालिया (164 कि० मी०)
25. बांठाद—साबरमती (170 कि० मी०)
26. ध्रांग ध्रा—कुडा (23 कि० मी०)
27. भिलडी—समदरी (गुजरात में कुछ भाग) (225 कि० मी०)
28. मेहसाणा—मारवाड़ (गुजरात में कुछ भाग) (281 कि० मी०)

(ख) इनमें से मेहसाणा—मारवाड़, मेहसाणा—विरमगाम, राजकोट—वीरावल गांधीधाम—भुज खंडों पर आमान परिवर्तन का कार्य प्रगति पर है। वांकानेर—मलिया मियाना, दहिनसरा—नवलखी और मेहसाणा—पाटन खंडों के आमान परिवर्तन को पहले ही मंजूरी दे दी गई है और यह आने वाले वर्षों में आरंभ कर दिया जाएगा। अहमदाबाद—हिम्मतनगर माधली, भावनगर—सुरेन्द्रनगर और धोला—महुवा खंडों का आमान परिवर्तन आरंभ कर दिया गया है, आगे की कार्रवाई सर्वेक्षण रिपोर्ट आने पर ही की जाएगी।

ध्रांगध्रा—कुडा साल्ट साइडिंग का आमान परिवर्तन गुजरात सरकार और साल्ट आधुक्त के बीच लागत की साझेदारी के आधार पर शुरू किए जाने की योजना है जिसके लिए तौर-तरीके को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

(ग) यद्यपि, ये मीटर लाइनें निर्यात और आयात यातायात के मौजूदा स्तर को संभालने के लिए पर्याप्त हैं, इन लाइनों के बड़े आमान में परिवर्तन से अतिरिक्त आयात को संभालने की क्षमता में निश्चित रूप से सुधार होगा जिसकी भविष्य में पेशकश होने की संभावना है।

(घ) स्थिति को पहले ही उपर्युक्त पैरा (ख) में स्पष्ट कर दिया गया है।

Deteriorating Standard of Education in Kendriya and Navodaya Vidyalayas

309. SHRI SANJAY DALMIA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government are aware of any complaints regarding deteriorating standard of education in Central and Navodaya Vidyalayas; and

(b) if so, the nature of complaints and the steps taken/to be taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) and (b) Occasional complaints have been received regarding the level of academic performance. Continuous efforts are on to imporve the quality of education in Kendriya Vidyalaya Sangathan and Navodaya Vidyalaya Samiti through better supervision of academic activities, special attention to weaker students, establishment of Zonal Training Institutes for systematic in-service training of teachers and Principals and encouragement of co-curricular activities.